पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल ढूँढ़ आखिरी अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

"मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो" ,पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, "मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।"

3

"मैं तुम्हें कुतरूँगा," चूहे ने कहा।

"मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुतरना पड़ता है।" और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

"उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।"

4

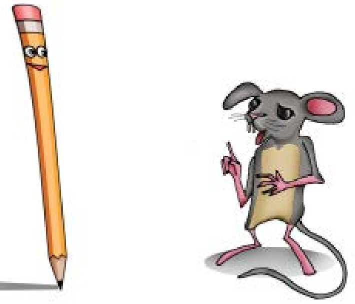

"ठीक है," चूहे ने कहा। "तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।"

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

5

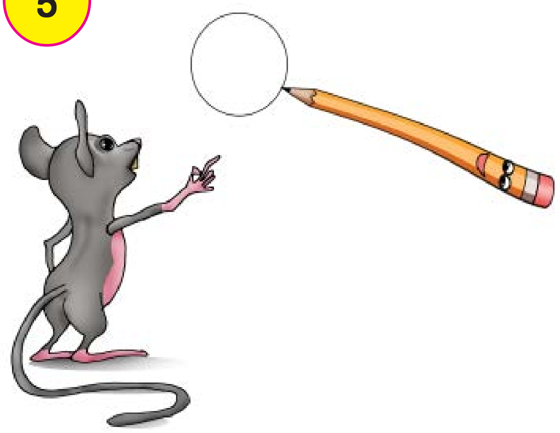

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पेंसिल ने कहा।

(6)

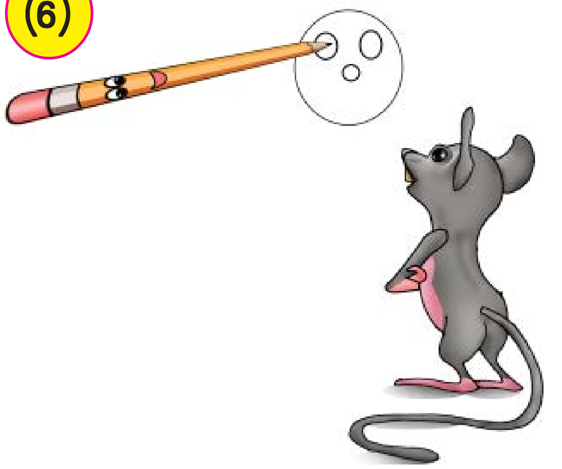

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

7

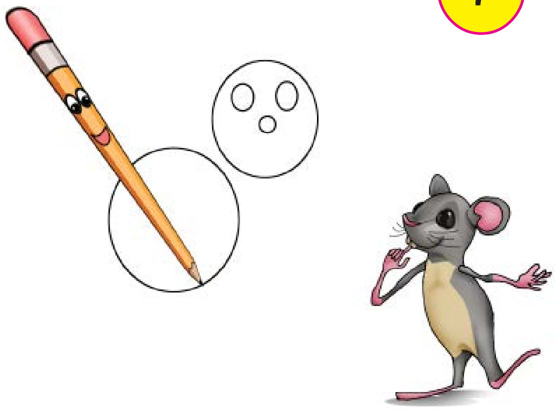

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

8

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

''अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।''

9

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो! मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

10

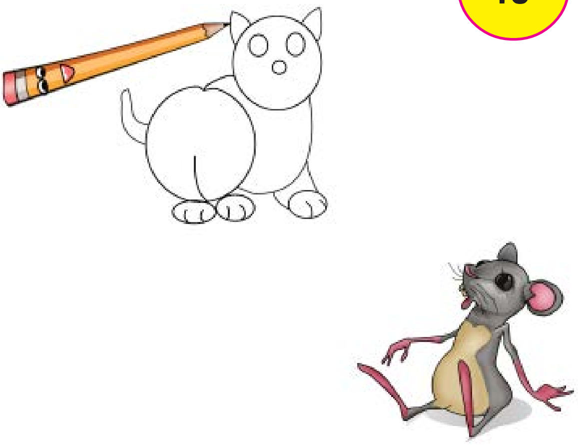

''अरे, अरे'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।''

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11

चूहा डरकर चिल्लाया, ''अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

ग. चमचम क्या होता है?

घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।

4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

क. चूहा ———————————— दूसरे बिल में घुस गया।

ख. चूहे ने पेंसिल —————————— शुरू कर दिया।

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ——————— चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ——————— छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ————————————, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता	ज	म	ह	ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क	म	ल	क	क	ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

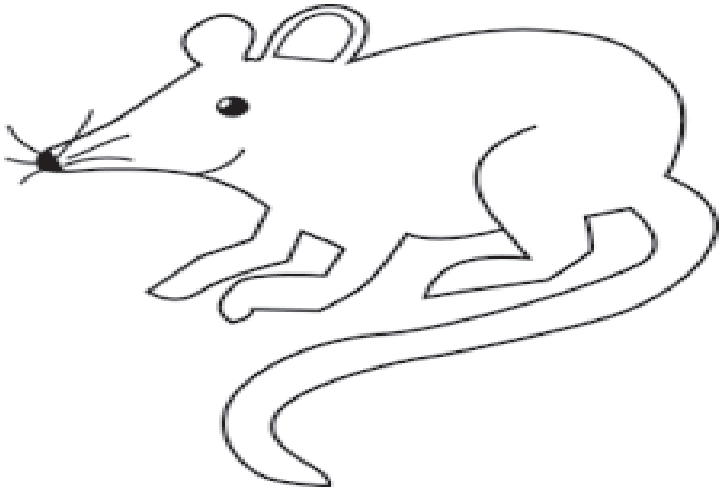

385556